अध्याय - 7 | परिवहन तथा संचार

Worksheet-1

बहुविकल्पी प्रश्न

1. एयर अथॉरिटी ऑफ इंडिया भारत में कुल कितने विमान पत्तनों का प्रबंधन करता है?

(अ) 126 (ब) 11

(स) 86 (द) 29

2. भारतीय रेल की स्थापना निम्न में से किस वर्ष हुई थी?

(अ) 1853 ई० (ब) 1855 ई०

(स) 1850 ई० (द) 1857 ई०

3. निम्न में से कौन-सी परिवहन प्रणाली सबसे सस्ती, स्थूल सामग्री के परिवहन हेतु सर्वाधिक उपयुक्त तथा परिस्थिति के अनुकूल समझी जाती है?

(अ) सड़क परिवहन (ब) वायु परिवहन

(स) रेल परिवहन (द) जल परिवहन

4. भारत द्वारा निर्मित पी०एस०एल०वी० एक-

(अ) स्पेक्ट्रल समूह है (ब) प्रक्षेपण वाहन है

(स) उपग्रह प्रणाली है (द) भू-स्टेशन है

5. निम्नलिखित में से किस वर्ष में पहला रेडियो कार्यक्रम प्रसारित हुआ था?

(अ) 1936 (ब) 1911

(स) 1927 (द) 1923

6. इस समय भारत में नौसंचालन के योग्य अंत: स्थलीय जलमार्ग की लम्बाई कितनी है?

(अ) 4300 कि०मी० (ब) 2,000 कि०मी०

(स) 14,500 कि०मी० (द) 3,700 कि०मी०

7. स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना के अंतर्गत कितने किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण शामिल है?

(अ) 5846 कि.मी. (ब) 4270 कि.मी.

(स) 4016 कि.मी. (द) 3640 कि.मी.

8. छोटी दूरियों की यात्रा के लिए किस परिवहन का सर्वाधिक उपयोग किया जाता है ?

(अ) रेल परिवहन (ब) वायु परिवहन

(स) जल परिवहन (द) सड़क परिवहन

मिशन ज्ञान पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें! 100% FREE! VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

9. **भारतीय राष्ट्रीय महामार्ग प्राधिकरण (एन०एच०ए०आई०) द्वारा प्रायोजित प्रमुख परियोजनाएँ हैं-**

(अ) स्वर्णिम चतुर्भुज
(ब) पूर्व-पश्चिम गलियारा
(स) उत्तर-दक्षिण गलियारा
(द) उपर्युक्त सभी

10. **ग्रांड ट्रंक रोड, जिसका निर्माण शेरशाह सूरी ने कराया था, किन दो दूरस्थ नगरों को जोड़ती थी?**

(अ) दिल्ली को अमृतसर से
(ब) पेशावर को अमृतसर से
(स) कोलकाता को पेशावर से
(द) दिल्ली को कोलकाता से

रिक्त स्थान

11. भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई वर्ष 2020 में लगभग ________________ किलोमीटर थी।

12. भारत का पहला रेलवे मार्ग _____________ और ठाणे के बीच वर्ष 1853 में शुरू हुआ था।।

सत्य/असत्य

13. भारत का राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क 1951 में 1,36,440 किलोमीटर लंबा था।

14. भारत में सड़कों का निर्माण मुख्यतः केंद्र सरकार द्वारा किया जाता है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. जल परिवहन एक महत्वपूर्ण विधा है, स्पष्ट कीजिए।

16. संचार जाल से क्या तात्पर्य है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. भारत के प्रमुख अंतःस्थलीय जलमार्गों का वर्णन करें।

18. जिला सड़कों तथा ग्रामीण सड़कों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न

19. ब्रॉडगेज तथा नैरोगेज लाइनों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

20. भारत में परिवहन के प्रमुख साधन कौन-कौन से हैं? इनके विकास को प्रभावित करने वाले कारकों की विवेचना करें।

HOTS

21. 'भारतीय रेलों ने विविध संस्कृति के लोगों को एक-साथ ला दिया है।" उपयुक्त उदाहरणों द्वारा इस कथन की पुष्टि कीजिए।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

उत्तरमाला

1. **(अ)**
एयर अथॉरिटी ऑफ इंडिया भारत में कुल 126 विमान पत्तनों का प्रबंधन करता है।

2. **(अ)**
16 अप्रैल 1853 ई० को भारतीय रेल की स्थापना हुई थी। भारत की पहली रेल ने मुंबई से ठाणे तक 34 कि.मी. की दूरी तय की थी।

3. **(द)**
जल परिवहन प्रणाली सबसे सस्ती, स्थूल सामग्री के परिवहन हेतु सर्वाधिक उपयुक्त तथा परिस्थिति के अनुकूल समझी जाती है।

4. **(ब)**
उपग्रह प्रक्षेपण यान या पीएसएलवी (PSLV) परियोजना की शुरुआत भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा 1970 के दशक में शुरू हुई थी। भारत द्वारा निर्मित पी०एस०एल०वी० एक प्रक्षेपण वाहन है।

5. **(द)** 1923

6. **(स)**
इस समय भारत में नौ संचालन के योग्य अंतःस्थलीय जलमार्ग की लम्बाई 14,500 कि०मी० है।

7. **(अ)**
स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना के अंतर्गत 5846 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण शामिल है।

8. **(द)**
सड़क परिवहन को छोटी दूरियों की यात्रा के लिए सर्वाधिक उपयोग किया जाता है।

9. **(द)**
भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण अधिनियम, 1988 के द्वारा पारित किया गया था। भारतीय राष्ट्रीय महामार्ग प्राधिकरण (एन०एच०ए०आई०) द्वारा प्रायोजित प्रमुख परियोजनाएँ हैं- स्वर्णिम चतुर्भुज, पूर्व-पश्चिम गलियारा, उत्तर-दक्षिण गलियारा।

10. **(स)**
ग्रांड ट्रंक रोड, जिसका निर्माण शेरशाह सूरी ने कराया था, कोलकाता को पेशावर से जोड़ती थी।।

11. 1,36,440

12. मुंबई

13. असत्य

14. असत्य

15. भारत में जल परिवहन का उपयोग यात्री व माल ढुलाई दोनों के लिए अंतर्देशीय व अंतर्राष्ट्रीय परिवहन हेतु किया जाता है। परिवह का सबसे सस्ता साधन है जल परिवहन। भारी और विशाल सामान को ले जाने के लिए ये अत्यंत उपयुक्त है। इस परिवहन में ईधन की कम खपत होती है और यह पर्यावरण हितैषी भी है।

16. एक स्थान से दूसरे स्थान तक संदेश अथवा सूचना पहुँचाने की व्यवस्था को 'संचार जाल' कहते हैं। पहले यह कार्य पशुओं, पक्षियों, मानवों द्वारा तथा बाद में डाक सेवा, तार सेवा, प्रिंटिंग प्रेस, दूरभाष व उपग्रहों की मदद से विभिन्न इलेक्ट्रानिक माध्यमों द्वारा किया गया।

17. **भारत के प्रमुख अंतः स्थलीय जलमार्ग :**
इस समय भारत में 14500 कि०मी० लंबा जलमार्ग नौकायन हेतु उपलब्ध है यह परिवहन में लगभग 1% का योगदान करता है।

i. भारत के प्रमुख जलमार्गों में राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या-1 (इलाहाबाद-हल्दिया विस्तार) 1,620 कि०मी० लंबा है।
ii. राष्ट्रीय जल मार्गसंख्या-2 (सदिया-धुबरी विस्तार) 891 कि०मी० है।
iii. राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या-3 (कोट्टापुरम-कोलम विस्तार) 168 कि०मी० लंबा है।

मिशन ज्ञान
पढ़ः जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

18. जिला सड़कों तथा ग्रामीण सड़कों में निम्नलिखित अंतर है–

जिला सड़कें	ग्रामीण सड़कें
ये सड़कें जिला मुख्यालय तथा जिले के अन्य महत्वपूर्ण स्थलों के बीच संपर्क मार्ग का कार्य करती हैं।	ये सड़कें ग्रामीण क्षेत्रों को तो आपस में जोड़ती ही हैं, साथ ही जिले की सड़कों से भी जुड़ी होती हैं।
इनके अंतर्गत देशभर की समस्त सड़कों की लंबाई का केवल 60.83% भाग आता है।	ये सड़कें देश की कुल सड़कों की लबाई का लगभग 33.86% हैं।
इनके निर्माण, रखरखाव तथा प्रचालन का उत्तरदायित्व भी राज्य सरकार का ही होता है।	इनके रखरखाव व निर्माण की जिम्मेदारी जिला पंचायतों की होती है।

19. ब्रॉड गेज तथा नैरो गेज में निम्नलिखित अंतर है :-

ब्रॉड गेज	नैरो गेज
इस गेज की रेल पटरियों के बीच की दूरी 1.616 मीटर होती है।	इस गेज की रेल पटरियों के बीच की दूरी 0.762 मीटर अथवा 0.610 मीटर होती है।
भारत में ब्रॉड गेज लाइन की कुल लंबाई 55,188 कि०मी० है।	भारत में इसकी कुल लंबाई 2463 कि०मी० है।
यह देश के कुल रेलमार्गों की लंबाई का 85.61% है।	देश के कुल रेलमार्गों की लंबाई का 3.82% है। ये रेल लाइनें प्राय: पर्वतीय क्षेत्रों तक सीमित हैं।

20. भारत में परिवहन के प्रमुख साधनों को तीन वर्गों के अंतर्गत तीन भागो में विभाजित किया है-

i. **स्थल परिवहन-** इसमें मुख्य: रेलमार्गों, सड़क मार्गों, तथा पाइप लाइनों से परिवहन को समिलित किया जाता है।

ii. **जल परिवहन-** इसके दो वर्ग हैं-
   (क) अंत:स्थलीय जलमार्गों से परिवहन
   (ख) महासागरीय जलमार्गों से परिवहन

iii. **वायु परिवहन-** इसके अंतर्गत दो तरह की सेवाएँ उपलब्ध हैं-
   (क) अंतर्देशीय (घरेलू सेवाएँ)
   (ख) अंतर्राष्ट्रीय सेवाएँ

इनके अलावा पर्वतीय क्षेत्रों में जहाँ सड़कें बनाना संभव नहीं होता, वस्तुओं व लोगों के आवागमन के लिए रज्जू मार्गों, वहाँ पदार्थों, केबिल मार्गों (रोपवे) का प्रयोग परिवहन के लिए किया जाता है।

परिवहन के साधनों की बढोतरी को प्रभावित करने वाले कारक इस प्रकार हैं-

- **स्थलाकृति-उबड़-**खाबड़ पर्वतीय अथवा पठारी भागों में परिवहन के साधनों का विकास मैदानी समतल भागों की अपेक्षा कम होता है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण भारत के मैदानी भागों में सड़क व रेलवे मार्गों का जाल दुनिया के सबसे सघन जालों में से एक है जबकि हिमालय पर्वतीय भू-भाग, प्रायद्वीप पठार के अंतर्गत यह बहुत ही कम है।
- **संसाधनों की उपलब्धता-** जिन प्रदेशों में संसाधनों की प्रचुरता है, वहाँ अनेक आर्थिक क्रियाओं का विकास स्वत: हो जाता है। औद्योगिकरण के विकास ने जनसंख्या के घनत्व कों प्रभावित किया है, जिसके कारण वहाँ परिवहन के साधनों का भी तेजी से विकास हुआ है।
- **विषम जलवायु-** जिन क्षेत्रों की जलवायु विषम या मानवीय क्रियाओं के प्रतिकूल है, वहाँ जनसंख्या का घनत्व व वितरण कम होता हैं। इसलिए वहाँ पर परिवहन के साधनों का विकास भी कम है।
- **सरकारी नीतियाँ-** सरकारी नीतियाँ भी किसी प्रदेश के विकास को प्रभावित करती हैं। औद्योगिक संकुलों के विकास से जनसंख्या प्रभावित होती हैं तथा उन्हें गति देने के लिए परिवहन के अनेक साधनों का विकास किया जाता है।

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

21. यातायात का एक अहम साधन होने के साथ साथ रेल ने भारत जैसे विशाल देश को जोड़ने का काम पिछले 150 वर्षों से किया है। रेल भारत के लोगों की आर्थिक जिंदगी को एक धागे में पिरोता है और साथ में उद्योग और कृषि के विकास में भी सहायक है। भारतीय रेल देश का सबसे बड़ा सार्वजनिक सेक्टर का उपक्रम है। भारत में पहली रेल मुम्बई से ठाणे के बीच 1853 में चली थी। भारतीय रेलों ने विविध संस्कृति के लोगों को एक-साथ ला दिया है। इसका कारण यह है कि भारतीय रेलों का जाल संसार के सर्वाधिक लंबे जालों में से एक है। इसकी कुल लंबाई लगभग 64,000 कि०मी० है। इसको 16 मंडलों में विभाजित किया गया है। भारतीय रेलों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों तथा संस्कृतियों के लोग परस्पर संपर्क में आते हैं, एक दूसरे के खान-पान, रहन-सहन, सभ्यता-संस्कृति, भाषा-बोली, पहनावा आदि से वाकिफ होते हैं, जिससे उनमें लगाव तथा प्रेम बढ़ता है तथा वे एकता के सूत्र में बँधते हैं। इस कार्य में भारतीय रेल काफी बड़ा योगदान करती है। इसके बिना ऐसे कार्य की कल्पना भी नहीं की जा सकती। पहले लोग दूर-दराज के लोगों से बड़ी कठिनाई तथा काफी समय लगाकर संपर्क स्थापित कर पाते थे। लेकिन 1853 के बाद, जब भारत में पहली रेल चली, स्थिति में परिवर्तन आने लगा और भारतीय रेल के विकास के साथ-साथ लोग परस्पर जुड़ते चले गए। उन्हें एक जगह से दूसरी जगह जाने में अब आसानी होने लगी तथा उनका समय भी बचने लगा। वर्तमान समय में लोग कम-से-कम समय में ज्यादा-से-ज्यादा सुविधा के साथ देश में कहीं भी आ-जा सकते हैं। यह सब भारतीय रेल के विकास के कारण ही हो सका है। निःसंदेह भारतीय रेलों ने विविध संस्कृति के लोगों को एक-साथ ला दिया है।

मिशन ज्ञान
पढ़ः जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES